तवक्कुल (भरोसा)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत सअद रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया आदमी की खुशनसीबी ये है की जो कुछ अल्लाह उसके लिए फैसला करे, उस से राज़ी हो, उसपर कनाअत करे, और आदमी की बदनसीबी ये की अल्लाह से खैर और भलाई की दुआ न करे, और आदमी की बदनसीबी ये की अल्लाह के हुकम और फैसले पर नाराज़ हो. तवक्कुल का मतलब है अल्लाह को अपना वकील बनाना और उसपर पूरा भरोसा करना, और वकील कहते है सरपरस्त को, और सरपरस्त उसको कहते है जो बेहतरी और भलाई की बात सोचे और खराबियों से बचाये. मोमिन का वकील अल्लाह है, इसका मतलब ये है की वो अकीदा रखता है की अल्लाह की तरफ से जो कुछ आये वो भलाई है, उसी मै मेरे लिये बेहतरी है, अल्लाह जिस हाल मै भी रखेगा मै उससे

खुश हूं मोमिन अपनी सी कोशिश करता है और फिर मामला अल्लाह के हवाले कर देता है, कहता है की ऐ रब तेरे कमजोर बन्दे ने इस काम के करने मै अपनी पूरी कोशिश कर ली, मै कमजोर और लाचार हूं इस काम मै जो कमी रह गई है तू उसे पूरा कर दे तू गालिब और ताकतवर है.

2} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत उमर रदी.

खुलासा- मैने रसूलुल्लाह ﷺ को ये कहते हुवे सुना की तुम लोग अगर अल्लाह पर ठीक से भरोसा करो तो वो तुम्हें रोजी देगा जैसे की वो चिडियों को रोजी देता है की वो सुब्ह को जब रोजी की तलाश मै घोसलों से रवाना होती है तो उनके पेट खाली हुवे होते है और शाम को जब अपने घोंसलों मै आती है तो उनके पेट भरे होते है.

3} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अनस रदी.

खुलासा- एक आदमी ने कहा की ऐ अल्लाह के रसूल मै अपनी उंटनी को बांधूं और अल्लाह पर भरोसा करूं या उसे छोड दूं और भरोसा करूं? आप ﷺ ने फरमाया पहले तुम उसे

बांधो फिर भरोसा करो. किसी चीज़ को हासिल करने के जो तरीके हो सकते है वो पूरी तरह करे और फिर अल्लाह से दुआ करे की मैने तो उपाय कर लिया अब तू मदद फार्मा ये है तदबीर और तवक्कुल.

4} इबने माज़ा, रावी हज़रत अमर बिन अल आस रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की आदमी का दिल हर वादी मै भटकता रहता है तो जो शख्स अपने दिल को वादियों मै भटकने के लिए छोड़ देगा तो अल्लाह को परवाह न होगी की उसको कौन सी वादी तबाह करती है और जो शख्स अल्लाह पर भरोसा करेगा अल्लाह उसको उन वादियों और रास्तो मै भटकने और तबाह होने से बचाएगा. अगर आदमी अल्लाह को अपना वकील और सरपरस्त नहीं बनाता तो उसका दिल हमेशा परेशान रहेगा और बहुत से जज्बात का घर बना रहेगा, लेकिन जो शख्स अपने दिल को अल्लाह की तरफ मोड देगा उसको सुकून और इत्मीनान हासिल होगी.